(vii) DEMAND FOR DOORDARSHAN COVERAGE OF ASIAD 1982 FOR MADHYA PRADESH

श्री सत्य नारायण जटिया (उज्जैन) : देश के अनेक महानगरों में दूरदर्शन की सुविधा उपलब्ध है। एशियाड 82 के दौरान रंगीन दूरदर्शन प्रसारण के लिए सरकार अतिरिक्त प्रयास कर रही है। किन्तु मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित अनेक प्रमुख नगर इंदौर, उज्जैन, देवास दूरदर्शन से वंचित हैं। संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं कि अक्तूबर, 82 तक इंदौर को दूरदर्शन प्रसारण का लाभ मिल सकेगा। किन्तु इस संबंध में स्पष्टतः इंदौर, भोपाल, उज्जैन, देवास को दूरदर्शन प्रसारण का लाभ एशियाड 82 तक मिल सकेगा यह घोषणा प्रकट नहीं हुई है। यह आवश्यक है कि भोपाल सहित इंदौर, उज्जैन, देवास को साथ-साथ दूरदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाये। दूरदर्शन प्रसारण प्रणाली इस प्रकार की स्थापित की जाए कि भोपाल में एक इकाई से तथा दूसरी इकाई इन्दौर-उज्जैन देवास एक साथ लाभान्वित हो सकें।

अतएव मेरा सूचना प्रसारण मंत्री से आग्रह है कि मध्य प्रदेश में भोपाल को इन्दौर, उज्जैन देवास को दूरदर्शन प्रसारण का लाभ एशियाड 82 के समय मिल सके। आवश्यक निर्देश तथा तत्संबंधी घोषणा की जाए।

15.00 hrs.

(viii) DEMAND FOR BETTER MAINTENANCE OF KANNAKI (MANGLA DEVI) TEMPLE IN TAMIL NADU

DR. A. KALANIDHI (Madras Central): The Kannaki (Mangala Devi) Temple is situated in Vannathiparai Forest Range, Gudalur Village in Madurai District, Tamil Nadu. The temple is 2000 years old, constructed by King Cheran Sengutturan. Mangla Devi is the heroine of the famous Tamil literature 'Silappadi Haram'. The stone for the statute was brought in the ancient days from the Himalayas. Kannaki was the embodiment of Chastity. The location of the temple is above 5000 feet from Sea level and it is in a lovely place between Periyar Power House and Suruliar Hydro-electric Scheme, 7 Kms. from Thekkadi, the game sanctuary of National importance.

The Chief Epigraphist of Mysore University has confirmed the dating of this Temple in the Annual Report of Indian Epigraphy for 1965-66. The Renovation Committee formed in 1952, has not made any finding which has been confirmed by the surveys conducted both by the Central and State Government. The Tamil Nadu authorities could have allotted some money for the renovation of this temple, when it had spent crores of rupees for other purposes.

I request that this Temple be taken over by the Central Archaelogical Department for future maintenance without allowing this ancient heritage of Tamil Nadu to decay. Even the maintenance could be taken up under the Western Ghat Development Scheme. This place attracts devotees and tourists but there is no communicable road on any place for rest near the temple.

My colleague, late Mr. Cumbum, N. Natarajan, M.P., was fighting with the authorities for the better maintenance and access to this temple and he underwent fast for the restoration of the rights of the Tamils. This issue is a dear one to him. Let the Central Government act immediately for the better maintenance and upkeep of this temple, let free access, without any hinderance from any quarters be made available to one and all, including the Tamilians.

UNDERGROUND COKING GASS PIPELINES FOR TOWNS AROUND MATHURA

श्री दिगम्बर सिंह (मथुरा) : मैं पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय के माननीय मंत्री से मथुरा तेल शोधक कारखाने, मथुरा

[श्री दिगम्बर सिंह]

से मथुरा वृन्दावन, गोकुल, नन्दगांव, कोसी और भरतपुर को कुकिंग गैस की भूमिगत लाइन डाल कर कनैक्शन देने का अनुरोध करता हूं। कारखाने में जहां मथुरा को अनेक असुविधाएं जैसे वायु और यमुना के पानी का गंदा होना, पानी का स्तर भूमि में नीचे चला जाना, शुद्ध शाकाहारी जनता में बाहर के मांसाहारी लोगों के आने के कारण मांसाहारी होटल खुलना, ठंडाई पीने वाले वृजवासियों के बीच में शराब पीने वालों का आकर वातावरण खराब करना, राधा कृष्ण की परम्परा के अनुसार बृज की रासलीला और नृत्य के बीच में विदेशी गाने और नृत्य का बढ़ना आदि बुराइयों को सहन करना पड़ रहा है तो उनको कम से कम यह कुकिंग गैस की सुविधा तो प्राप्त होनी ही चाहिए। मेरा माननीय मत्री जी से निवेदन है कि शीघ्र इसकी व्यवस्था करने की वह कृपा करें।

(x) Indiscrimate cutting of trees in Purnia, Bihar.

श्रीमती माधुरी सिंह (पूर्णिया) : वायु-मडल प्रदूषण, वनों का साफ किया जाना, पेड़ों की कटाई आदि ने आज हमारे देश में गंभीर समस्या का रूप धारण कर लिया है। प्राकृतिक सौंदर्य और नैसर्गिक सुषमा में समृद्ध हमारा देश आज प्रकृति के संरक्षण और सवर्धन के प्रति घोर उपेक्षा बरत रहा है। आज लोगों को प्राकृतिक सौंदर्य में आकर्षण नहीं है। कई किस्म के विशाल एवं दुर्लभ वृक्ष साफ किए जा रहे हैं। परम्परागत सौंदर्य नष्ट हो रहा है। बिहार में पूर्णिया जिला इसका प्रमाण है। वहां अस्थायी स्वार्थ की पूर्ति के लिए मनुष्य वृक्षों को कितनी हानि पहुंचा रहा है, यह उसका ज्वलन्त उदाहरण है। पेड़ पौध हमारी राष्ट्रीय सम्पत्ति हैं। वे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। हमारे धर्म और संस्कृति से उनका गहरा संबंध है। पूर्णिया में वृक्षों की कुछ स्वार्थी व्यक्तियों द्वारा बेतहाशा कटाई की जा रही है। इस से वातावरण की जो हानि हो रही है उसकी कल्पना भी कठिन है। किसी समय उपयोगी, मनोहर और आकर्षक वृक्षों के लिए प्रसिद्ध था और इन से उत्पन्न पुष्प और फल, जड़ी बूटियां सुन्दर मजबूत इमारती लकड़ी आदि जन साधारण के लिए हितकारी और सुख समृद्धि का साधन थीं। आज पूर्णिया शुष्क पेड़ पौधों से वंचित बंजर जिला प्रतीत होता है। मैं पूर्णिया में वृक्षों की बिना हिचकिचाहट की जा रही कटाई पर रोक लगाने के लिए केन्द्रीय सरकार का सहयोग चाहती हूं। बुद्ध और महाबीर की कर्मस्थली बिहार प्रदेश की प्राकृतिक छटा और नसर्गिक सौंदर्य की रक्षा हम सब का पावन कर्तव्य है। मैं आशा करती हूं कि भारत सरकार इस दिशा में तुरन्त प्रभावशाली कार्य-वाही करेगी।

15.05 hrs.

SPECIAL COURTS (REPEAL) BILL

MR. CHAIRMAN: Now we take up Special Courts (Repeal) Bill. For this Bill only 25 minutes are left as per time allocation made by the Business Advisory Committee, Therefore, I want that all those Members who are keen to speak should be brief. Many points are being repeated. This will provide an opportunity to other Members to give their suggestions and views. Shri Era Anbarasu.

SHRI ERA ANBARASU (Chengalpattu): I stand to support the repeal of the Special Courts (Repeal) Bill. Many reasons for the repeal have already been given. The experience in